बम्बई तट पर होटल के लिये अपेक्षित विदेशी मुद्रा

3706. **श्री धिलास मुत्तेमवार:** क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) टोकियो की मित्सुई ओशियन डिवेल्पमेन्ट एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी द्वारा बम्बई तट पर स्थापित किए जाने वाले प्रस्तावित होटल के लिए कितनी विदेशी मुद्रा अपेक्षित है;

(ख) भारत के समुद्र तटों पर कुल कितने होटलों की स्थापना के लिए टोकियो की इस कम्पनी ने भारत पर्यटन विकास निगम से वित्तीय सहायता मांगी थी और इस प्रयोजन के लिए भारत पर्यटन विकास निगम द्वारा कुल कितनी राशि की विदेशी मुद्रा का पूंजी निवेश किया जायेगा; और

(ग) क्या ये प्रस्तावित होटल अन्ततः विदेशी मुद्रा आय का स्रोत होंगे और यदि हां, तो कब और और कितनी ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री ए. पी. शर्मा) : (क) से (ग). टोकियो की मित्सुई ओशियन डिवेलपमेन्ट एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी ने तारीख 26 सितम्बर 1978 के पत्र में जल की सतह पर होटलों की संकल्पनी की रूप-रेखा दी है जिसमें उन्होंने आर्थिक ब्यौरों का उल्लेख किए बिना इतना ही कहा है कि उनके विचार में जमीन पर आधारित होटल सुविधाओं के मुकाबले में जल की सतह पर लग्जरी होटल के निर्माण पर अधिक खर्च नहीं आएगा। कम्पनी ने भारत पर्यटन विकास निगम से किसी प्रकार की आर्थिक सहायता की मांग नहीं की, न हो उन्होंने होटलों की संख्या के बारे में संकेत दिया है। प्रस्ताव की जांच करने के बाद भारत पर्यटन विकास निगम का यह निष्कर्ष था कि विदेशी मुद्रा में भारी पूंजी-निवेश को देखते हुए और संसाधनों पर प्रतिबंध होने के कारण इस परियोजना को व्यवहारिक रूप देना संभव न होगा।

आयात और निर्यात में हुई प्रतिशत वृद्धि

3707. **श्री तारिक अनवर:**

श्री हीरा लाल आर. परमार:

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दस वर्षों के दौरान आयात और निर्यात में अलग-अलग कितनी वृद्धि हुई है;

(ख) निर्यात से अर्जित की गई उस विदेशी मुद्रा का प्रतिशत क्या है जो पैट्रोलियम उत्पादों, खाद्य पदार्थों, और औद्योगिक तथा अन्य सामग्री पर, अलग अलग खर्च की जाती है;

(ग) क्या सरकार इस निर्यात स्थिति से संतुष्ट है अथवा इसमें कमी करने के दूसरे उपाय कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो इन उपायों का ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री खुरशीद आलम खां): (क) तथा (ख). जानकारी संलग्न विवरण में दी गई है।

(ग) तथा (घ). आयातों पर बचत करने के लिए इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, अलौह धातुओं आदि जैसे आयातित मदों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार भी तेल की खोज से सम्बन्धित कार्यक्रम को तेज करने तथा सक्षम ऊर्जा नीति बनाने की कोशिश कर रही है। इसके साथ-साथ निर्यात आय को बढ़ाने हेतु सभी संभव उपाय किये जा रहे हैं।

विवरण

आयातों तथा निर्यातों में वृद्धि/गिरावट की प्रतिशतता

वर्ष	प्रतिशतता आयात	परिवर्तन निर्यात	निर्यातों की प्रतिशतता के रूप में आयात: पैट्रोलियम तथा पैट्रोलियम उत्पाद	खाद्यान्न तथा खाद्यान्न से बनी वस्तुएं	विनिर्मित माल	अन्य
1969-70	—17.1	+ 4.1	9.7	18.5	59.9	23.9
1970-71	+ 3.3	+ 8.6	8.9	13.9	61.6	20.9
1971-72	+11.6	+ 4.8	12.1	8.2	72.3	20.9
1972-73	+ 2.4	+22.5	10.4	4.1	64.8	15.5
1973-74	+58.3	+28.0	22.3	18.8	63.0	13.2
1974-75	+52.9	+31.9	34.8	23.0	67.5	10.6
1975-76	+16.5	+21.4	30.3	33.2	58.5	8.1
1976-77	— 3.6	+27.2	27.5	16.9	43.5	10.9
1977-78	+18.8	+ 5.1	28.7	2.3	52.7	27.9
1978-79	+13.1	+ 6.0	29.3	1.5	64.5	23.7
1979-80 (अन्तिम)	+27.4	+12.2	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं